डॉB केनेथ मैथ्यूजÆ उत्पत्तिÆ सत्र ĈĊÆ
वाचा समारोह और वाचा चिन्हÆ भाग Č

© 2024 केनेथ मैथ्यूज और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. केनेथ मैथ्यूज हैं जो उत्पत्ति की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 13 है, वाचा समारोह और वाचा चिन्ह, भाग 2, उत्पत्ति 15:1-17:27।

आज पाठ 13, भाग दो है, जो अध्याय 15, 16 और 17 में जो कुछ हम पाते हैं, उस पर हमारी चर्चा का एक सिलसिला है।

पिछली बार हमने अध्याय 15 में वाचा समारोह के बारे में बात की थी, और अब हम अध्याय 16 में इश्माएल के जन्म के साथ इस महत्वपूर्ण खंड का समापन करना चाहते हैं। फिर अध्याय 17 में वाचा का चिन्ह। जब अध्याय 16 में हागर और इश्माएल की बात आती है, तो हम पाते हैं कि अब्राहम और सारा को कनान में प्रवेश किए 10 साल हो चुके हैं।

अध्याय 16, श्लोक एक में सारा का वर्णन है, अब्राहम की पत्नी ने उसे कोई संतान नहीं दी थी। इसलिए, यह अध्याय 11 में हमने जो सीखा था उसे सामने लाता है: कि वह बांझ थी, और वह बांझ ही रही। इसके बाद की श्लोक में कहा गया है, अब्राहम ने सारा की बात मान ली।

तो, सारा के बाद, मैं कहूँगा कि अब्राहम 10 साल तक कनान में रहा था। तो, अब आप देख सकते हैं कि सारा की उम्र 75 साल है। और अब्राहम की उम्र 85 साल है।

इसलिए, वे एक अलग योजना पेश करने के लिए एक हताश कदम उठाते हैं जिससे एक बच्चा पैदा हो सके। और इसलिए, आपको याद होगा कि अध्याय 15 में, जहाँ अब्राहम के घराने के एक नौकर एलीएजेर को गोद लेने का प्रस्ताव था, परमेश्वर ने अध्याय 15, श्लोक चार में यह कहकर जवाब दिया, तुम्हारे अपने शरीर से एक बेटा आएगा, जो तुम्हारा वारिस होगा। खैर, यही हम हागर और इश्माएल के मामले में पाते हैं, सारा द्वारा खुद एक बच्चा पैदा करने का प्रस्ताव उस उम्मीद को पूरा करता है क्योंकि अब्राहम पिता होगा, मिस्र की नौकरानी हागर माँ होगी, और फिर सारा को अब्राहम की संतान माना जाएगा।

इसलिए, जब सरोगेट मां द्वारा गोद लेने की प्रथा की बात आती है, तो यह कुछ ऐसा है जो स्वीकार्य होना चाहिए। और कुछ ऐसा जिसे सारा और अब्राहम ने चुना था क्योंकि अब्राहम सारा की बात से सहमत था। इसलिए, हमें बताया गया है कि वह उसके साथ सोया।

चौथी आयत में, उसने हगर के साथ संबंध बनाए और वह गर्भवती हो गई। अब, यदि आप पिछली आयत को देखें, तो ध्यान दें कि इसमें उत्पत्ति तीन की भाषा का उपयोग करते हुए हव्वा के बारे में क्या कहा गया है, जिसने फल लिया और फिर उसे अपने पति को दे दिया। उत्पत्ति तीन में यही बताया गया है।

तो, अध्याय 16 की तीसरी आयत में यही कहा गया है। तो, अब्राहम के कनान में रहने के 10 साल बाद, उसकी पत्नी सारा ने अपनी मिस्री दासी, हागर को लिया और उसे अपने पति को उसकी पत्नी बनने के लिए दे दिया। यह

बगीचे में जो कुछ हुआ उसका जानबूझकर किया गया प्रतिबिंब हो सकता है ।

और इस तरह, मानवीय स्थिति जारी रहती है। परमेश्वर के वचन पर संदेह करने की परेशानी में, आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा, परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में बढ़ने का हिस्सा यह है कि जब हम ठोकर खाते हैं, तो परमेश्वर हमें छोड़ता नहीं है, बल्कि बचाता है। और हम पाएंगे कि, इस मामले में, योजना को बचाने के लिए परमेश्वर द्वारा एक और कदम उठाया गया है।

यहाँ वादे पर खतरा मंड़रा रहा है क्योंकि हागर एक विदेशी, मिस्री है। इसलिए, हव्वा के पाप की गूँज हमें सचेत कर देगी कि संतानोत्पत्ति का वादा पूरा होने वाला है, और परमेश्वर इसे सुनिश्चित करने वाला है। इसलिए, परिणामस्वरूप जो हुआ वह दो महिलाओं, सारा और हागर के बीच प्रतिद्वंद्विता थी।

जब उसे पता चला कि वह गर्भवती है, तो वह अपनी मालकिन से घृणा करने लगी।   तो आप देख सकते हैं कि प्राचीन काल में एक महिला की पहचान की बहुत मजबूत परंपरा बच्चे पैदा करना थी। और अगर आपके बच्चे नहीं होते, तो समाज आपको नीची नज़र से देखता था।

और इसलिए हमेशा उन महिलाओं के साथ प्रतिष्ठा जुड़ी रही है जिनके कई बच्चे थे। और फिर, ज़ाहिर है, अगर किसी महिला के बच्चे नहीं होते तो उसका मूल्य कम हो जाता है। बेशक, यह एक प्रथा थी और बाइबिल की मांग नहीं थी, न ही यह बाइबिल की मिसाल थी।

और इसलिए, हम जानते हैं, बेशक, ऐसी महिलाएँ हैं जो बच्चे पैदा नहीं करती हैं, या तो अपनी मर्जी से या शायद पति या खुद महिला की असमर्थता के कारण, गर्भधारण करने और बच्चा पैदा करने में। लेकिन इसे घृणा की बात नहीं समझना चाहिए। न ही इसे ईश्वर की सज़ा समझना चाहिए।

यह कुछ ऐसा है जो इस्राएल के अनुभव के इन शुरुआती वर्षों के दौरान पुरातनता में एक प्रथा थी और इसे आज ईसाई महिलाओं पर सार्वभौमिक रूप से लागू नहीं किया जाना चाहिए। फिर हम पाते हैं कि सारा वास्तव में अब्राहम के खिलाफ आरोप लगाती है। यह वास्तव में अब्राहम के खिलाफ आरोप है, लेकिन यह अब्राहम के खिलाफ आरोप नहीं है।

यह अब्राहम के खिलाफ आरोप है। बल्कि, जब वह कहती है, "मैं जो गलत कर रही हूँ उसके लिए आप ज़िम्मेदार हैं, तो आप ही ज़िम्मेदार हैं। मैंने अपनी दासी को आपकी बाहों में सौंप दिया, और अब जब उसे पता चला कि वह गर्भवती है, तो वह मुझे तुच्छ समझती है।"

प्रभु आपके और मेरे बीच न्याय करें। और इसलिए, मुझे लगता है कि अब, उसके द्वारा लिए गए निर्णय से पीड़ा की भावना है। और वह अब्राहम को सह-भागी होने का दोषी मानती है, या कम से कम आरोप लगाती है।

प्रभु न्याय करें, और वह सही ढंग से प्रभु को यह निर्धारित करने का अधिकार देती है कि कौन दोषी है। और मुझे लगता है कि हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि दोनों को दोषी के रूप में समझा जाना चाहिए - श्लोक 6। आपका सेवक आपके हाथों में है, और इसलिए अब्राहम ने कहा, उसके साथ वही करो जो तुम्हें सबसे अच्छा लगे।

अब्राहम के लिए यह बहुत दुख की बात रही होगी, क्योंकि आखिरकार, हागर उसके बच्चे को जन्म दे रही थी। इसलिए, यह कहा जाता है कि सारा ने हागर के साथ बुरा व्यवहार किया, इसलिए वह उससे भाग गई। अब हमारे पास फिर से परमेश्वर की महान दया का सबूत है।

जैसा कि श्लोक 7 में बताया गया है, हम सीखते हैं कि प्रभु के दूत, प्रभु के इस दूत ने रेगिस्तान में एक झरने के पास हागर को पाया। और उसने कहा, हागर, तुम कहाँ से आई हो और कहाँ जा रही हो? और वह कहती है, मैं अपनी मालकिन सारा से भाग रही हूँ—श्लोक 9। तब प्रभु के दूत ने उससे कहा, अपनी मालकिन के पास वापस जाओ और उसके अधीन रहो।

और स्वर्गदूत ने आगे कहा, मैं तुम्हारी संख्या इतनी बढ़ा दूँगा कि वे गिनती से बाहर हो जाएँगी। हमने पहले भी यह सुना है - अब्राहम से किए गए वादे।

धरती की धूल और आकाश के तारों के समान असंख्य संतानें। और अब हमारे पास प्रभु द्वारा दिया गया वादा है जो इस बच्चे के अब्राहम के साथ रिश्ते पर आधारित है। परमेश्वर अब्राहम के जीवन को आशीर्वाद देता है और समृद्ध बनाता है।

और यहाँ तक कि यह इश्माएल, जो परमेश्वर की परिपूर्ण इच्छा के अनुरूप नहीं था, फिर भी उसे महान संतान का आशीर्वाद मिला। और वह 12 राष्ट्रों का पिता बनेगा। इश्माएल की यह वंशावली बाद के अध्यायों में प्रस्तुत की जाएगी।

अब, स्वर्गदूत प्रभु इश्माएल के इस चरित्र का वर्णन करता है। और यह श्लोक 11 में पाया जाता है। स्वर्गदूत प्रभु ने हागर से कहा, अब तुम एक बच्ची हो।

तुम्हारा एक बेटा है और तुम उसका नाम इश्माएल रखना। अब, यह आश्चर्यजनक है क्योंकि इश्माएल नाम का अर्थ ईश्वर है। यह ईएल है।

इश्माएल, ईश्वर सुनता है। इश्मा, ईश्वर सुनता है। तो यही व्याख्या है।

क्योंकि प्रभु ने तुम्हारे दुख के बारे में सुना है। इसलिए, परमेश्वर दयालु है और मिस्री दासी की ज़रूरतों का ध्यान रखता है। और वह उसकी और उसके बच्चे की रक्षा करेगा और उसका भरण-पोषण करेगा।

और वह यह है कि यहाँ पर प्रभु इश्माएल के लिए महान संतान प्रदान करने जा रहा है। और पद 12 में, यह कहा गया है, यह उसका चरित्र है। वह एक जंगली गधे जैसा आदमी होगा।

दूसरे शब्दों में, वह समाज के हाशिये पर रहेगा। जंगल के मैदान में भी वह बहुत ही शत्रुतापूर्ण व्यक्ति होगा। उसका हाथ सबके खिलाफ होगा और सबका हाथ उसके खिलाफ होगा।

और वह अपने सभी भाइयों के प्रति शत्रुतापूर्ण जीवन जीएगा। और यही होगा। जैसा कि हमने सारा और हागर के बीच शत्रुता देखी, यह उनके वंशजों को भी मिलेगी।

और इश्माएल की संतान और इसहाक की वादा की गई संतान के बीच प्रतिद्वंद्विता होगी। और हम इसे इश्माएल और फिर इज़राइल से उभरे राष्ट्रों के लंबे इतिहास में देखेंगे। अब, हागर के अनुभव के बारे में एक और नाटक है।

हमारे यहाँ ऐसी भाषा है जिसका सम्बन्ध देखने से है। और यदि आप श्लोक 13 को देखें, तो आप ईश्वर हैं, वह कहती है। उसने यह नाम प्रभु को दिया, जिसने उससे बात की। आप ईश्वर हैं जो मुझे देखते हैं।

क्योंकि उसने कहा, "मैंने अब उसे देख लिया है जो मुझे देखता है। अब, एल रोई, ईएल, ईश्वर, वह है जो मुझे देखता है।" यह शब्द रोई है।

कुछ संस्करणों में वास्तव में एल रोई नाम होगा। यहाँ न्यू इंटरनेशनल संस्करण में, इसका अनुवाद किया गया है, और इसका अनुवाद है, ईश्वर जो मुझे देखता है। इसलिए उसने झरने या प्राकृतिक कुएँ का नाम बीर- लाहई - रोई रखा , जिसका अर्थ है जीवित व्यक्ति का कुआँ जो मुझे देखता है।

यह उसके अनुभव के साथ स्थान की पहचान करने का एक महत्वपूर्ण तरीका बन गया। और यह ईश्वर के प्रति एक श्रद्धांजलि है, जैसा कि वह एक मिस्री महिला के रूप में, ईश्वर के लिए उस सामान्य शब्द, एल का उपयोग करते हुए, इसे सबसे अच्छी तरह समझ सकती है। लेकिन ईश्वर ने जो करना चुना है वह अपनी दया और कृपा को बढ़ाना है, यहाँ तक कि उन लोगों तक भी जिन्हें हम बाहरी कह सकते हैं।

और हम इसे एसाव और एदोमियों के जीवन में फिर से देखेंगे, कि परमेश्वर के पास सभी राष्ट्रों के लिए दया की योजना है, सभी राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद है, यहाँ तक कि इस्राएल के पारंपरिक शत्रुओं के लिए भी, जैसा कि हमने राष्ट्रों की तालिका में देखा था। पद 15, इसलिए हागर ने अब्राम को एक पुत्र को जन्म दिया, और अब्राम ने उसका नाम इश्माएल रखा। इसलिए, लौटने पर, हागर ने अब्राहम को एक स्पष्टीकरण दिया होगा, और उसने बेटे का नाम इश्माएल रखकर उसका अनुपालन किया।

फिर हमारे पास अब्राहम की उम्र की तारीख है। इसलिए, यह हमें कालक्रम में और अब्राहम की ओर से इस यात्रा को मापने में बहुत मददगार है। और हम पाएंगे कि इश्माएल इसहाक से 13 साल बड़ा है।

आइए अब खतने की वाचा के बारे में बात करते हैं, जो अध्याय 17 में पाई जाती है। यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय है क्योंकि इसका सम्बन्ध इस्राएल में अब्राहम की संतानों की पहचान करने वाले मुख्य चिह्नों में से एक से है, और वह है खतने का वाचा चिह्न। यदि अध्याय 15 समारोह द्वारा पुष्टि से संबंधित है, तो अध्याय 17 खतने के चिह्न द्वारा पुष्टि है।

कुछ विद्वान मानते हैं कि यह एक अलग वाचा है। इसे खतने की वाचा के रूप में पहचाना जाता है क्योंकि आपके पास पहले पद में स्पष्ट रूप से यह शर्त है कि, प्रभु उसके सामने प्रकट हुए और कहा, मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूँ। और फिर यहाँ मेरे सामने चलना होगा और निर्दोष होना होगा।

मेरे सामने चलो और निर्दोष बनो। लेकिन मुझे लगता है कि अध्याय 15 और 17 के बीच एक समानता है जो इंगित करती है, कम से कम मेरे दिमाग में और अन्य टिप्पणीकारों के दिमाग में, कि यह उसी वाचा की निरंतरता है। क्योंकि अध्याय 15, श्लोक एक और सात में, आपके पास मैं हूँ कथन है।

और फिर, अध्याय 17 में, हमारे पास मैं हूँ कथन है। मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूँ। तो यहाँ हमारे पास हिब्रू एल शद्दाई, सर्वशक्तिमान ईश्वर है।

अध्याय 17 में हम जो देखना चाहते हैं, और मैं आशा करता हूँ कि अब्राहम की आध्यात्मिक यात्रा का पता लगाने और उसे लागू करने के दौरान हम इसे बार-बार अपने ध्यान में लाएँगे, वह यह है कि परमेश्वर और अब्राहम के बीच एक घनिष्ठ संबंध विकसित हो रहा है। यह उस तरीके का हिस्सा है जिसमें परमेश्वर अब्राहम को अपने बारे में, यानी प्रभु के बारे में, और फिर अब्राहम के बारे में और वादों की प्रकृति, वादों की निश्चितता के बारे में भी प्रशिक्षित और सिखा रहा है। और कैसे परमेश्वर इन वादों का उपयोग एक मुक्तिदाता के लिए प्रावधान करने के लिए एक विस्तृत तरीके से करने जा रहा है।

इसलिए, हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि एक करीबी रिश्ता विकसित हो रहा है। साथ ही, हम इस अध्याय को देखना चाहते हैं, और हमने इसे पहले भी देखा है, लेकिन मैं अब आपके ध्यान में लाता हूँ कि परमेश्वर खुद को ज्ञात करना चाहता है। आप कह सकते हैं कि परमेश्वर खुद को देखना और सुनना चाहता है।

यह परमेश्वर के प्रेम की प्रचुरता से आता है; हमने इस बारे में बात की है, कैसे उसने अपने प्रेम की अधिकता के कारण सृष्टि करना चुना, एक विशेष लोगों को बनाने की उसकी इच्छा; वह विशेष लोगों को अपनी संपत्ति कहता है। कैसे वह अपने जीवन को, परमेश्वर की सभी अद्भुत अद्भुतता, जीवन, अनंत जीवन, पूर्ण प्रेम, पूर्ण आनंद, पूर्ण शांति, परमेश्वर के जीवन के इन सभी अद्भुत पहलुओं को साझा करना चाहता है, वह इसे उन लोगों के साथ साझा करना चाहता है जो इसे प्राप्त करना चाहते हैं। और कौन इसे परमेश्वर के रहस्योद्घाटन वचन में विश्वास और भरोसे के द्वारा प्राप्त करते हैं? परमेश्वर खुद को प्रकाशन के कई तरीकों से प्रकट करता है; हमने प्रत्यक्ष भाषण देखा है, और फिर हमने दर्शन होते हुए देखे हैं।

और इसलिए, जब अध्याय 17 की बात आती है, तो हम प्रभु की ओर से एक और उपस्थिति देखते हैं, खुद को ज्ञात करते हुए और खुद को सुनाते हुए। हम ईसाइयों के रूप में पहचान सकते हैं कि प्रभु परमेश्वर अपने लिए निर्माण करने और अपने लिए विशेष लोगों को बचाने के लिए इतने समर्पित और प्रतिबद्ध हैं कि उन्होंने हमारे प्रभु यीशु मसीह के व्यक्तित्व में खुद को आने के लिए चुना है। जैसा कि कुलुस्सियों को लिखे पत्र से संकेत मिलता है, ईश्वरत्व की संपूर्णता, ईश्वर का पूरा होना, ईश्वर के पुत्र यीशु मसीह में पाया जाता है।

और इसलिए, परमेश्वर ने स्वयं को त्रिएक परमेश्वर के दूसरे व्यक्ति, परमेश्वर के पुत्र के रूप में आने के लिए चुना है। वह एक बचाने वाले स्वर्गदूत के रूप में नहीं आया है, जैसा कि हमने यहाँ अध्याय 16 में देखा है। और वह एक शिशु, एक बच्चे, एक वादा किए गए बच्चे के रूप में आया है, जो मनुष्यों की तरह बड़ा हुआ, और वह पूरी तरह से मनुष्य और पूरी तरह से परमेश्वर था।

हमारे प्रभु यीशु मसीह की पहचान और चरित्र कितना अनोखा रहस्य है। और इसलिए यह हमारे प्रभु की मानवता के कारण इतना घनिष्ठ संबंध है,

जो हम बहुत अनुभव करते हैं, और फिर भी वह प्रभु के प्रति पूरी तरह से वफादार रहे। उन्होंने स्वेच्छा से हम सभी के लिए जीवन और मृत्यु के दुख और दुख उठाए, दर्द और नुकसान को झेला और फिर भी शैतान, शैतान और बीमारी और मृत्यु के हमारे कट्टर दुश्मनों पर विजय प्राप्त की।

और नए जीवन में आना और हमारे लिए इसे संभव बनाना। अगर हमें विश्वास के द्वारा परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने का प्रस्ताव मिलता है, परमेश्वर के जीवन में प्रवेश करना। इसलिए, वह उसके सामने प्रकट हुआ और कहा, मैं एल शद्दाई हूँ, सर्वशक्तिमान परमेश्वर।

हम नहीं जानते कि शादई को कैसे समझा जाए। कुछ सुझाव दिए गए हैं। अंग्रेजी में अनुवाद आम तौर पर ग्रीक अनुवाद, ईश्वर सर्वशक्तिमान का अनुसरण करते हैं। लेकिन यह एल नामों में से एक है, जैसा कि हमने एल एलयोन के साथ देखा, और जैसा कि हमने एल रोई और अन्य के साथ देखा।

यह एल नामों में से एक है जिसे अक्सर कुलपिताओं द्वारा प्रभु परमेश्वर की पहचान करने के लिए बोला जाता था। अब भाषा, मेरे सामने चलो और निर्दोष बनो, हमें सेठी वंशावली में हनोक की याद दिलाएगी, जो परमेश्वर के साथ चला और फिर स्वर्ग में प्रभु की उपस्थिति में स्थानांतरित हो गया। नूह को प्रभु के सामने चलने वाला एक धर्मी व्यक्ति कहा जाता है।

हमें अय्यूब की कहानी में याद है कि उसे निर्दोष के रूप में पहचाना गया है। तो यह अब्राहम के लिए प्रभु के करीब चलने का आह्वान है, और उसे प्रभु में सही विश्वास और सही व्यवहार के लिए खुद को समर्पित करके ऐसा करना है। अब, इस भाषा, निर्दोष, का मतलब यह नहीं है कि वह परिपूर्ण है।

बल्कि, पूर्णता या संपूर्णता के लिए कौन सा शब्द इस्तेमाल किया जाता है? एक व्यक्ति होना मेरी वाचा में ईमानदारी का जीवन जीने, विश्वासयोग्यता और ईश्वरीयता का जीवन जीने का आह्वान है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यहाँ हमारे मन में यह है कि वह वाचा कमा रहा है, या वह धार्मिकता कमा रहा है, क्योंकि यह सब घोषित होने के बाद मामला है।

लेकिन वह उससे जो कह रहा है, और मुझे लगता है कि हम इस अंश से जो सीख सकते हैं, वह यह है कि हम, ईश्वर की कृपा से, एक ऐसा जीवन जीने का प्रयास करें जो विश्वास में समर्पित हो, खुद पर और जो कुछ हमारे पास है, जो कुछ हम हैं, उस पर भरोसा करते हुए, ईश्वर की भलाई के लिए, उसके वादों पर विश्वास करते हुए, उसकी सुरक्षा में विश्वास करते हुए, इस बात पर विश्वास करते हुए कि वह हमें सहारा देगा और हमें आशीर्वाद देगा। हम उस तरह से जीना जारी रखेंगे जो उसे प्रसन्न करे, एक ऐसी जीवनशैली जो सही नैतिक व्यवहार में पूरी तरह से उसके प्रति समर्पित जीवन हो। इसलिए, वह कहता है, मैं अपने और तुम्हारे बीच अध्याय 17 में अपनी वाचा की पुष्टि करूंगा और तुम्हारी संख्या में बहुत वृद्धि करूंगा।

तो, हम उसी मुद्दे पर वापस आते हैं, जो मुख्य मुद्दा है, मुख्य तनाव है, और वह है बच्चों को जन्म देना। अब, मैं यहाँ अब्राहम और सारे दोनों के लिए होने वाले नामों में परिवर्तन के बारे में कह सकता हूँ, कि नाम का परिवर्तन एक नई पहचान का संकेत देने का एक तरीका है। और इसलिए, आइए अब्राम और अब्राहम के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा को देखें।

अब्राम का मतलब है महान पिता। अब का मतलब है पिता, और राम का मतलब है महान, महान पिता। वह अपना नाम बदलकर अब्राहम रखने जा रहा है, और वह उस नाम के बारे में

बताता है।

मैंने तुम्हें बनाया है। दूसरे शब्दों में, यह एक वादा है जो परमेश्वर के दृष्टिकोण से पूरा हुआ है। मैंने तुम्हें बनाया है।

तो, यह एक ऐसी घोषणा है जिसके निरंतर परिणाम होंगे, कई राष्ट्रों का पिता। रहम का मतलब है पिता, रहम का मतलब है कई, कई लोगों का पिता। और इसलिए, हमारे पास उसके नाम, अब्राहम में कई राष्ट्रों का विचार निहित है, जो निश्चित रूप से हमें याद दिलाएगा कि अब्राहम और उसकी संतानें बाबेल के टॉवर के लिए भगवान की प्रतिक्रिया कैसे हैं, जहाँ कई राष्ट्र बनते हैं, लेकिन उनकी वफादारी के कारण नहीं।

वे गर्व और प्रतिष्ठा से अपना नाम कमाना चाहते थे। लेकिन, अब्राहम विनम्रतापूर्वक परमेश्वर के वादों के प्रति समर्पित हो जाता है, जो अध्याय 12 में अब्राहम से कहता है, मैं तेरा नाम महान बनाऊँगा। इसलिए, अब्राहम अपने लिए अवैध रूप से नाम नहीं कमाता, बल्कि, परमेश्वर उसे नाम और प्रतिष्ठा देकर आशीर्वाद देता है।

और आगे बढ़ते हुए, वह स्पष्टीकरण में कहता है, मैं तुम्हें बहुत फलदायी बनाऊँगा। अब, क्या यह आपको वह याद नहीं दिलाता जो हमने पहले पढ़ा है? उत्पत्ति अध्याय 1, श्लोक 28 में, उत्पत्ति अध्याय 9, श्लोक 1 में, और फिर हमने जो खोजा है, वह फलदायी होने की भाषा है। और फिर वह आगे कहता है, मैं तुम्हें जातियाँ बनाऊँगा।

अब, यह श्लोक 6 में एक अतिरिक्त पहलू है, और राजा तुमसे आएंगे। और यह निश्चित रूप से मामला है जैसा कि आप उत्पत्ति की कहानी पढ़ते हैं। इश्माएल के कबीले के राजा, एसाव के एदोमी राजा, और फिर इसहाक और याकूब और यहूदा के 12 बेटों से दाऊद वंश के महान राजा आएंगे।

तो, राजा तुम से आएंगे। यह सब भगवान के हस्तक्षेप, भगवान के काम से जुड़ा है। यहाँ पर मैं इच्छाशक्ति बहुत प्रमुख है।

और ध्यान दें कि यह वाचा हमेशा के लिए, हमेशा के लिए, मेरे और तुम्हारे और तुम्हारे वंशजों के बीच, आने वाली सभी पीढ़ियों के लिए रहेगी। अब, यह संभव होने का एकमात्र तरीका एक संतान के माध्यम से है जो प्रत्याशित उद्धारकर्ता है, जो अब्राहम और उसके वंशजों के लिए यह स्थायी संबंध सुरक्षित कर सकता है कि वह आपका परमेश्वर और आपके बाद आपके वंशजों का परमेश्वर हो। और यह हमेशा के लिए हो सकता है।

कनान की पूरी भूमि, जहाँ तुम अभी परदेशी, परवासी, विदेशी हो, मैं तुम्हें और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंशजों को हमेशा की संपत्ति के रूप में दूँगा, और मैं उनका परमेश्वर बनूँगा। यह आपको अध्याय 15 की याद दिलाता है। याद रखें, शुरुआती आयतों में, हमने बात की कि कैसे आकाश के तारों जैसे वंशजों का वादा किया गया है।

और फिर बलि के लिए लिए जाने वाले जानवरों को आधे हिस्सों में बाँटने की वाचा का समारोह होता है। और उस संदर्भ में, इस बात पर चर्चा होती है कि कैसे परमेश्वर

अब्राहम को कनान की भूमि देगा, जब उसके वंशज मिस्र में 400 साल, चार दशक बिता चुके होंगे। तब उन्हें मुक्ति मिलेगी।

वे कनान की भूमि पर लौट आएंगे। उनकी भूमि अब्राहम की विरासत का हिस्सा होगी। यही बात हम अध्याय 17 में भी पाते हैं।

अब्राहम की संतान और फिर वादा किए गए देश का संदर्भ। यहाँ सब कुछ अब्राहम के प्रति परमेश्वर की प्रतिबद्धता और बदले में, अब्राहम के परमेश्वर के साथ रिश्ते के विचार के भीतर स्थापित है। यही वाचा है।

मैं इसे फिर से आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ। वाचा का महत्व रिश्ते के रूप में है। अब, रिश्ते का संकेत खतना होगा।

और यह परमेश्वर और अब्राहम तथा उसकी संतान के बीच के रिश्ते के लिए एक उचित संकेत है। क्योंकि यह पुरुष अंग में बना है, वह यौन अंग जो संतान उत्पन्न करता है, और इसलिए यह अब्राहम की ओर से प्रतिबद्धता के संकेत का हिस्सा है कि उसने अपने सभी वंशजों में आशीर्वाद का यह महान वादा प्राप्त किया है।

अब, खतना सिर्फ इस्राएल तक ही सीमित नहीं था। उनके पड़ोसी भी खतना करवाते थे। लेकिन इस मामले में, इसका संबंध यौवन संस्कार से नहीं, बल्कि किसी स्वच्छता संबंधी उद्देश्य से था।

बल्कि, यह वादे का संकेत देता है, यहाँ तक कि शरीर में एक निशान भी। सारा का नाम भी सारा में बदल दिया गया है। और उसकी उपमा से, वह राष्ट्रों की माँ होगी, और राजा उससे उत्पन्न होंगे।

सारा का मतलब राजकुमारी है। और फिर, सारा का मतलब भी राजकुमारी है। खैर, अब्राहम की प्रतिक्रिया क्या थी? यह कोई वीरतापूर्ण प्रतिक्रिया नहीं है।

वह हंसता है। क्योंकि उसकी उम्र 99 साल है और अगर वह गर्भवती हो जाती है, तो वह कहता है, क्या 100 साल का आदमी बच्चे का पिता हो सकता है? और फिर वह कहता है, काश इश्माएल तुम्हारे आशीर्वाद के तहत जीवित रह पाता। और भगवान उससे वादा करते हैं, जैसा कि हम आयत 20 में पाते हैं, मैं इश्माएल का ख्याल रखूंगा।

यह बेटा, जिसे तू प्रेम रखता है, मैं उसकी देखभाल करूंगा। और वह भी तेरे कारण, हे इब्राहीम, और मेरी वाचा के कारण जो तेरे साथ बन्धी है, बढ़ेगा।

और वह 12 शासकों का पिता बनेगा, जैसा कि हम देखेंगे। इसहाक 12 शासकों का पिता बनता है। इसलिए, परमेश्वर पद 21 में निर्दिष्ट करता है कि बच्चे का नाम इसहाक होगा, जिसे सारा अगले साल इसी समय तक तुम्हारे लिए जन्म देगी।

इसलिए, श्लोक 19 में बेटे की पहचान इसहाक के रूप में बताई गई है। और इसहाक अपने नाम को अब्राहम की प्रतिक्रिया पर खेलने जा रहा है, और जैसा कि हम अगली बार अध्याय 18 में देखेंगे,

सारा की प्रतिक्रिया, जो यह सुनकर भी हँसती है कि ऐसा ही होगा, वह जन्म देगी। इसहाक का मतलब है कि वह हँसता है, या वह हँसेगा।

तो, एक तरफ, इसहाक नाम उसके माता-पिता, अब्राहम और सारा के संदेह और हिचकिचाहट को दर्शाता है। लेकिन दूसरी तरफ, यह उस महान खुशी को दर्शाता है जो बच्चा इस बूढ़े परिवार में लाएगा। इसलिए, हमें बताया गया है कि अब्राहम ने अपने बेटे इश्माएल को लिया और उसका और अपने घर के बाकी सभी लोगों का खतना किया।

और श्लोक 24 में कहा गया है कि उसका खतना किया गया था। अध्याय यह कहकर समाप्त होता है कि घर में रहने वाले हर व्यक्ति, दूसरे शब्दों में, वाचा की छत्रछाया में, खतना का अनुभव किया। इसलिए, इश्माएल भी धन्य है।

वह एक बाहरी व्यक्ति है। और यह हमें सदोम और अमोरा को समझने के लिए उपयुक्त सेटिंग में लाता है। और अगली बार हम सदोम और अमोरा के बारे में पाठ 13, अध्याय 18 और 19 पर आगे बढ़ेंगे।

यह डॉ. केनेथ मैथ्यूज हैं और उत्पत्ति की पुस्तक पर उनकी शिक्षाएँ हैं। यह सत्र 13 है, वाचा समारोह और वाचा चिन्ह, भाग 2, उत्पत्ति 15:1-17:27।